

किन्हीं आकस्मिक असंभाव्य के कारण किया जाने वाला खर्च।

**प्रासंगिक बोनस** पुं. (तत्.+अं.) वाणि. अनिश्चित, आकस्मिक, आपातिक अथवा सांयोगिक अधिलाभ/अधिलाभांश/बोनस।

**प्रासंगिक रचना स्त्री.** (तत्.) काव्य. प्राकरणिक, सामयिक, आधुनिक अथवा स्थानसापेक्ष कृति, सर्जन।

**प्रासंगिक व्यय** पुं. (तत्.) प्रशा. व्यय करने के लिए नियत राशि के अतिरिक्त आकस्मिक, नैमित्तिक, अथवा अनियत कारणों में किया जाने वाला अतिरिक्त व्यय।

**प्रास** पुं. (तत्.) 1. फेंकना, डालना, तीर आदि छोड़ना 2. (प्राचीनकालीन) एक प्रकार का भाला, बछी, फलकदार अस्त्र 3. काव्य. अनुप्रास अलंकार।

**प्रासक** पुं. (तत्.) शर, शल्य, बरछा, डाट।

**प्रास शब्द** पुं. (तत्.) भाषा. तुकांत शब्द।

**प्रासाद** पुं. (तत्.) 1. विशाल भवन, महल विशेषतया पाषाण-बहुल निवास को 'प्रासाद' कहा जाता था 2. राजभवन, राज-महल 3. देवमंदिर, मंदिर 4. बौद्ध मठ में भिक्षुओं के एकत्रित होने के लिए बना एक विशाल कक्ष।

**प्रासाद-शृंग** पुं. (तत्.) विशाल-भवन, राजमहल अथवा देवमंदिर का शिखर, कलश, मीनार अथवा कंगूरा।

**प्रासादिक वि.** (तत्.) 1. प्रसाद-संबंधी, प्रसाद का 2. प्रासाद संबंधी, प्रासाद का 3. देवता आदि के प्रसाद के रूप में दिया जाने वाला अथवा प्राप्त होने वाला पदार्थ 4. सहज ही प्रसन्न होकर कृपा करने वाला 5. सुंदर, मनोहर।

**प्रासिक** पुं. (तत्.) भाला रखने वाला, बछीधारी।

**प्रासूतिक वि.** (तत्.) प्रसव से संबंध रखने वाला, शिशु जन्म से संबद्ध।

**प्रास्तारिक वि.** (तत्.) प्रस्तार (विस्तार) से संबंध, प्रस्तार का 2. प्रस्तार में प्रयुक्त।

**प्रास्ताविक वि.** (तत्.) 1. जो प्रस्ताव के रूप में हो, प्रस्ताव के रूप में काम आने वाला 2. जो

प्रस्तावना/भूमिका के रूप में हो 3. प्रारंभिक 4. प्रस्तावना अथवा भूमिका से संबद्ध 5. समय अथवा अवसर के अनुरूप 6. प्रासंगिक।

**प्रास्ताविक संगीत** पुं. (तत्.) प्रारंभिक संगीत, किसी कार्यक्रम के आरंभ में प्रस्तुत किया जाने वाला विशेष संगीत।

**प्रास्ताविकी स्त्री.** (तत्.) 1. प्रस्तावना का काम देने वाली 2. प्रस्थापना काव्य. संगत, संबंध, प्रस्तुत किए जाने वाले विषय के अनुकूल जैसे-यह कथा प्रास्ताविकी नहीं है अर्थात् प्रसंग अथवा अवसर के अनुरूप नहीं है।

**प्रास्थगन** पुं. (तत्.) 1. विधि. प्रशा. के लिए किसी कानून, नियम अथवा अधिकार का प्रयोग न होने, प्रभावी न होने अथवा स्थगित होने की स्थिति, अप्रयोग की स्थिति 2. स्थावर संपत्ति (घर, जमीन आदि) की ऐसी स्थिति जिसमें उसके स्वामित्व के अधिकारी ज्ञात नहीं हैं।

**प्रास्थगित वि.** (तत्.) विधि. प्रशा. ऐसा नियम, कानून अथवा अधिकार जिसका प्रास्थगन किया गया हो अर्थात् जो कुछ समय के लिए स्थगित, अप्रभावी कर दिया गया हो।

**प्रास्थगित पद** पुं. (तत्.) प्रशा. ऐसा पद जिसके लिए नियुक्ति कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई हो।

**प्रास्थानिक वि.** (तत्.) प्रस्थान संबंधी, प्रस्थान का पुं. वह वस्तु जो प्रस्थान करते समय अर्थात् यात्रा प्रारंभ करते समय शुभ समझी जाती हो जैसे- यात्रा आरंभ करते समय तिलक करना, मीठा दही खिलाना आदि मांगलिक माना जाता है।

**प्रास्थिति स्त्री.** (तत्.) 1. समाज में स्थिति, हैसियत 2. महत्व विधि. कानून की दृष्टि से संबंध, रिश्ता या हैसियत।

**प्राह्व** पुं. (तत्.) दिन का पूर्व भाग, मध्याह्न (दोपहर) से पहले का समय।

**प्रिंट** पुं. (अं.) 1. छाप, छपाई, छापा, छपाई का निशान, ठप्पा 2. मुद्रण, छापना, मुद्रांकन 3. मुद्रित वस्तु, प्रकाशित सामग्री (चलचित्र) 4.